Part -5

Maratha

आंग्ल - मराठा संघर्ष

ईस्ट इंडिया कंपनी ने पुणे में पेशवा पद के उत्तराधिकार संघर्ष में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, जिसके कारण, पहला एंग्लो-मराठा युद्ध हुआ, जिसमें मराठे विजयी हुए।दूसरा और तीसरा एंग्लो-मराठा युद्ध (1805 से 1818 तक) में उनकी पराजय होने तक, मराठे भारत में पूर्व-प्रख्यात केंद्र शक्ति बने रहे।

पहला आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-1782) भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा साम्राज्य के बीच लड़े गये तीन आंग्ल-मराठा युद्धों में से पहला था। युद्ध सूरत संधि के साथ शुरू हुआ और साल्बाई की संधि के साथ समाप्त हुआ ।

द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध मराठा साम्राज्य और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच 1803 से 1805 के दौरान हुआ था। मराठा के पेशवा (बाजी राव द्वितीय) ने बेसिन की संधि (1802) के रूप में अंग्रेजों के साथ एक सहायक गठबंधन पर हस्ताक्षर किए, जिसके परिणामस्वरूप दूसरा एंग्लो मराठा युद्ध हुआ जो अंग्रेजों द्वारा जीता गया था।

तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817–1819), ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी और मराठा साम्राज्य के बीच सम्पन्न निर्णायक अन्तिम युद्ध था। इस युद्ध मे मराठा की तरफ से पेशवा बाजीराव॥ नेतृत्व कर रहे थे, परंतु उनकी अंग्रेजों के सामने न चल पाई और अंग्रेजों ने उन्हें 8 लाख की वार्षिक पेंशन पर कानपुर के निकट बिटटूर भेज दिया।

मराठा साम्राज्य में केंद्रीयकृत प्रशासनिक व्यवस्था : अष्टप्रधान

पेशवा या प्रधानमंत्री-यह सामान्य प्रशासन की देख-रेख करता था.

#अमात्य या मजूमदार-यह लेखा प्रमुख था, जो बाद में राजस्व एवं वित्त मंत्री बन गया.

सचिव या शुरु-नवीस- इसे चिटनिस भी कहा जाता था और ये राजकीय पत्राचार का कार्य देखता था.

सुमंत या दबीर- यह राजकीय समारोहों और विदेश मामलों का प्रमुख मंत्री था.

सेनापति या सर-ए-नौबत- यह सेना प्रमुख था जो सैन्य भर्ती,प्रशिक्षण एवं अनुशासन की देख-रेख करता था.

मंत्री या वाकिया-नवीस- यह आसूचना,राजा की निजी सुरक्षा एवं अन्य गृह-कार्यों का प्रमुख था.

न्यायाधीश- यह न्याय प्रशासन का प्रमुख था.

पंडितराव- यह राज्य के धर्मार्थ एवं धार्मिक कार्यों का प्रमुख था और जनता के नैतिक उत्थान के लिए कार्य करता था.

नोट:-

पेशवा,मंत्री एवं सचिव नाम के तीन मंत्रियों को अपने विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त बड़े प्रान्तों के प्रभारी का दायित्व भी सौंपा जाता था।

न्यायाधीश और पंडितराव को छोड़कर बाकि सभी मंत्रियों को अपने असैनिक दायित्वों के अतिरिक्त सैनिक कमान भी संभाली होती थी।

Cont ...